(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, रविवार, 12 मार्च 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

जायद उर्द-मूंग उत्पादन तकनीक पर हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम तरी पाठकपुर विकासखंड चौबेपुर में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे- मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डा. मुख्त्यार सिंह ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डी डी यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के मलखान सिंह ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर विजय सिंह चंदेल, सुरेश सिंह कमलकांत, राजेश पाल एवं कृष्ण पाल सिंह सहित सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया

मूंग, उर्द के उन्नतशील प्रजातियों के बारे में दी जानकारी

जायद उर्द–मूंग उत्पादन तकनीक पर कृषक प्रशिक्षण सम्पन्न

गोष्ठी को सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

कानपुर, 11 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग की ओर से ग्राम तरी पाठकपुर विकासखंड चौबेपुर में एक जायद दलहन गोष्ठी का आयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। वैज्ञानिक डा. मुख्त्यार सिंह ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. डी. डी. यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉ. हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की हैकि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें। इस अवसर पर डा. मलखान सिंह, विजय सिंह चंदेल, सुरेश सिंह कमलकांत, राजेश पाल एवं कृष्ण पाल सिंह सहित सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

तेलंगाना सीएम की बेटी से ईडी की पूछताछ... 12
एमपी के सीएम शिवराज सिंह ने किए बांके बिहारी... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 148
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
रविवार | 12 मार्च, 2023

फास्ट फॉरवर्ड

मृदा परीक्षण के बारे में किसानों को किया जागरूक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम तरी पाठकपुर विकासखंड चौबेपुर में बीते दिन शनिवार को एक जायद दलहन गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्टी में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई से पहले मृदा परीक्षण की बारीकियों के बारे में जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ. मनोज कटियार ने किसानों को दलहनी फसलों जैसे मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3, कनिका एवं उर्द की शेखर-1, शेखर-2, आइ0पी0यू0 13-1, आइ0पी0यू0 11-2 आदि के बारे में जानकारी दी। उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसानों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि सहित उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पच्चीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.डी.डी. यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताते हुए कहा कि किसानो को दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन करना चाहिए। इस अवसर पर विजय सिंह चंदेल, सुरेश सिंह कमलकांत, राजेश पाल एवं कृष्ण पाल सिंह सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसान मौजूद रहे।

अमर उजाला कानपुर 12/03/2023

। (संवाद)

मृदा परीक्षण की बारीकियां बताईं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग ओर से शनिवार को ग्राम तरी पाठकपुर विकासखंड चौबेपुर में जायद दलहन गोष्ठी का आयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को फसल बुआई से पहले मृदा परीक्षण की बारीकियों को बताया। दलहन वैज्ञानिक डॉ. मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उड़द आदि की उन्नतशील प्रजातियों की जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. डीडी यादव, डॉ. हरिश्चंद्र, मलखान सिंह विजय सिंह चंदेल, सुरेश सिंह और कमलकांत, आदि मौजूद रहे। (संवाद)